*बैंकिंग सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार : 2009-10 एवं 2010-11**

इस लेख में बैंकिंग सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार (आईटीबीएस) विषयक भारतीय रिज़र्व बैंक के 2009-10 और 2010-11 के दौर के सर्वेक्षण के प्रमुख परिणाम दिए गए हैं जिसमें विदेशी शाखाओं/ भारतीय बैंकों की सहायक/ अनुषंगी शाखाओं और भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं को शामिल गया था। सुसंगत और तुलनीय आंकड़ों का संग्रह बैंकों द्वारा वित्तीय सहायक सेवाएं प्रदान करने के लिए ग्राहकों से लिए गए सुव्यक्त/ अव्यक्त शुल्क और कमीशन के आधार पर किया जाता है। यह पाया गया है कि विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं की आय का प्रमुख हिस्सा कर्ज़ और व्यापार वित्त से संबंधित सेवाएं प्रदान करके प्राप्त किया गया जबकि भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शुल्क आधारित आय का प्रमुख हिस्सा डेरिवेटिव, स्टॉक, प्रतिभूति, विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं और वित्तीय परामर्शी व सलाहकारी सेवाएं प्रदान करके प्राप्त किया गया था। भारत में कार्यरत विदेशी बैंक, बैंकिंग सेवाओं में व्यापार के जरिए आय-सृजन करने में भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं से आगे थे।

परिचय

बैंकिंग सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार (आईटीबीएस) अनिवासियों से की गई फुटकर जमाराशि लेने, फर्मों को ऋण देने, गिरवी रखकर ऋण देने, उपभोक्ता वित्त जैसे कार्यों और प्रतिभूतियों के हामीदारी अंकन, स्थानीय मुद्रा बांड व्यापार, फर्मों के लिए विदेशी मुद्रा सेवाएं, दलाली, अभिरक्षा सेवाएं और निधि संग्रह और वितरण सेवाएं जैसी गैर-आस्ति आधारित उन बैंकिंग सेवाओं से संबंधित है जिनके लिए विदेशी बैंक की स्थानीय उपस्थिति की जरूरत पड़ती है। चूंकि सभी अंतरराष्ट्रीय लेनदेन बैंकों के माध्यम से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किए जाते हैं, अतः ये सेवाएं वस्तुओं और सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देती हैं। देशविशेष के निवासियों को इस प्रकार की बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए उस देश में विदेशी बैंक की बुनियादी उपस्थिति की जरूरत होती है और इसके लिए उसे मेजबान देश की घरेलू बैंकिंग नीतियों का अनुसरण करना होता है।

भारतीय अर्थ-व्यवस्था के वैश्वीकरण के साथ बाह्य व्यापार में बढ़ोतरी हुई है और वित्तीय बाजारों में अधिक खुलापन आ गया है। भारतीय और विदेशी बैंक किफायती तरीके से बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए विदेशों में शाखाएं/सहायक संस्थाएं खोल रहे हैं। वर्षों के दौरान शाखाओं, एजेन्सियों और सहायक संस्थाओं के रूप में या सीमापार विलयन और अधिग्रहण के जरिए बैंकिंग में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश बढ़ा है जिससे भारतीय और विदेशी दोनों बैंकों की सीमापार उपस्थिति बढ़ी है। भारतीय लोक नीति की दृष्टि से भारतीय बैंकों द्वारा विदेश में प्रदान की जा रही बैंकिंग सेवाओं की कुशलता का मूल्यांकन भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों से की जानी चाहिए और भारतीय बैंकों की शाखाओं के विदेश में विस्तार की प्रभावकारिता की जांच करने की जरूरत है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के अंतर्गत सेवाओं में व्यापार पर सामान्य करार (गैट) के कारण *अन्य बातों के साथ* वित्तीय सेवाओं को उदार बनाने के लिए चल रही बातचीत के संबंध में बैंकिंग सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर सुसंगत और तुलनीय सांख्यिकी की आवश्यकता महसूस की जाती है।

रिज़र्व बैंक की बैंकिंग सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित सर्वेक्षण भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं/ अनुषंगी कार्यालयों तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं/ अनुषंगी कार्यालयों के संबंध में आईटीबीएस के बारे में सूचना प्रदान करता है। आईटीबीएस सर्वेक्षण का पिछला दौर वर्ष 2006-07, 2007-08 एवं 2008-09 में आयोजित किया गया था।

इस लेख में आईटीबीएस सर्वेक्षण के 2009-10 एवं 2010-11 के दौरों को शामिल किया गया है। इस सर्वेक्षण में शामिल की गई बैंकिंग सेवाओं में निम्नलिखित वित्तीय सहायक सेवाएं शामिल हैंः (i) जमाखाता प्रबंध सेवाएं (ii) कर्ज़ से संबंधित सेवाएं (iii) वित्तीय पट्टेदारी सेवाएं (iv) व्यापार वित्त संबंधी सेवाएं (v) भुगतान और धन प्रेषण सेवाएं (vi) निधि प्रबंधन सेवाएं (vii) वित्तीय परामर्श और सलाहकारी सेवाएं (viii) हामीदारी सेवाएं (xi) समाशोधन और निपटान सेवाएं और (x) डेरिवेटिव, शेयर, प्रतिभूति और विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं। बैंकिंग कारोबार करते समय बैंक जिस देश में बैंक कार्यरत है उसके निवासियों के साथ-साथ उस देश के अनिवासियों की वित्तीय जरूरत को भी पूरा करता है। इस बात हो ध्यान में रखते हुए सर्वेक्षण में निवासी तथा अनिवासी दोनों को प्रदान की गई वित्तीय सेवाओं के संबंध में अलग-अलग सूचना एकत्र की गई है। सर्वेक्षण करने के लिए अपनायी गई कार्य-प्रणाली का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

* सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के भुगतान संतुलन सांख्यिकी प्रभाग में तैयार किया गया। 'बैंकिंग सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार' विषयक इस श्रृंखला का पिछला लेख सर्वेक्षण अनुसूची के साथ भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन के अक्तूबर 2010 अंक में प्रकाशित किया गया था जिसमें 2008-09 के सर्वेक्षण दौर के परिणाम दिये गये हैं।

इस लेख को छह खंडों में बाँटा गया है। विदेश में भारतीय बैंकों और भारत में विदेशी बैंकों की शाखाएं/अनुषंगी कार्यालयों /सहभागियों का विवरण खंड I में दिया गया है। खंड II और खंड III में क्रमशः उनकी कारोबार वृद्धि और लाभप्रदता की प्रवृत्ति का विवरण दिया गया है। खंड IV में भारतीय बैंकों द्वारा भारत के बाहर प्रदान की जा रही बैंकिंग सेवाओं में व्यापार का विश्लेषण प्रस्तुत किया है। खंड V में भिन्न-भिन्न कार्यकलापवार/देशवार विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है और खंड VI में प्रमुख परिणामों का सारांश प्रस्तुत किया गया है।

खंड I

विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों एवं भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं का वितरण

सारणी I में भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं और भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों का वितरण दिया गया है। सर्वेक्षण में मार्च 2010 के अंत और मार्च 2011 के अंत में क्रमशः 97.9 प्रतिशत एवं 98.7 प्रतिशत भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं को शामिल किया गया जबकि भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के संबंध में ये क्रमशः 97.4 प्रतिशत और 96.9 प्रतिशत है। सर्वेक्षण में मार्च 2011 के अंत में भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की 319 शाखाओं में से 309 और 29 देशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की 155 शाखाओं में से 153 शाखाओं को शामिल किया गया। इसके अतिरिक्त, विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों ने अपनी 150 विदेशी अनुषंगी कार्यालयों और 81 विदेशी सहायक संस्थाओं के आंकड़े प्रस्तुत किए। अनुषंगी कार्यालय वह प्रत्यक्ष निवेश उद्यम है जिस पर निवेशक सीधा नियंत्रण कर सकता है। यह नियंत्रण तब समझा जाएगा जब उद्यम में इक्विटी निवेश का भागीदारी 50 प्रतिशत से अधिक होगी। सहभागी कार्यालय वह प्रत्यक्ष निवेश उद्यम है जिस पर प्रत्यक्ष निवेशक का नियंत्रण नहीं रहता किन्तु उसका उल्लेखनीय प्रभाव रहता है। निवेश करने वाले उद्यम में प्रत्यक्ष निवेशक की इक्विटी-धारिता 10 से 50 प्रतिशत के बीच हो तो ऐसी स्थिति होती है। मार्च 2011 के अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के तुलन-पत्र के अनुसार भारतीय बैंकों की सबसे अधिक शाखाएं यूनाइटेड किंगडम (28) में थीं, उसके बाद हांगकांग (18) सिंगापुर (16), फिजी (9), यूनाइटेड अरब अमीरात (11), मॉरीशस (8) और श्रीलंका (8) का क्रम था। भारतीय बैंकों में 14 देशों में सबसे ज्यादा 47 शाखाएं बैंक ऑफ बड़ौदा की थीं, उसके बाद भारतीय स्टेट बैंक (19 देशों में 45 शाखाएं) और बैंक ऑफ इण्डिया की (12 देशों में 24 शाखाएं) का क्रम था।

रोजगार

विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों और भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की विभिन्न शाखाओं, अनुषंगी और सहयोगी संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या का विवरण क्रमशः सारणी 1, 2 और 3 में दिया गया है। विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों में कर्मचारियों की संख्या 2009-10 में 5.7 प्रतिशत और 2010-11 में 6.6 प्रतिशत बढ़ी है। दूसरी ओर, विदेशी बैंकों पर वैश्विक वित्तीय अशांति का प्रभाव उसके भारतीय परिचालनों पर भी दिखता है, जिसके चलते भारत में उनके कर्मचारियों की संख्या 2010-11 के दौरान 0.8 प्रतिशत की मामूली सुधार के पहले 2009-10 में 6.3 प्रतिशत घट गई।

2010-11 में भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों ने अपने कुल कर्मचारियों में से 99.6 प्रतिशत कर्मचारियों को स्थानीय स्रोतों से नियुक्त किया, जबकि विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों ने 69.0

सारणी 1 : विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों और भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के सर्वेक्षण के ब्यौरे

	विदेश में कार्यरत भारतीय बैंक					भारत में कार्यरत विदेशी बैंक				
	संख्या (मार्च)			% वृद्धि		संख्या (मार्च)			% वृद्धि	
	2009	2010	2011	2009-10	2010-11	2009	2010	2011	2009-10	2010-11
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
उत्तर देने वाली शाखाओं की संख्या	134 (138)	144 (147)	153 (155)	7.5	6.2	289 (295)	302 (310)	309 (319)	4.5	2.3
कर्मचारियों की संख्या	2,919	3,084	3,289	5.7	6.6	29,824	27,945	28,158	-6.3	0.8
जिनमें से:										
स्थानीय	2,004	2,070	2,268	3.3	9.6	29,741	27,848	28,056	-6.4	0.7
भारतीय	841	908	947	8.0	4.3	ला.न.	ला.न.	ला.न.	ला.न.	ला.न.
अन्य	74	106	74	43.2	-30.2	83	97	102	16.9	5.1

टिप्पणी : कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े 2008-09, 2009-10 और 2010-11 के कुल परिचालनरत शाखाओं के हैं जैसाकि रिजर्व बैंक के वार्षिक प्रकाशन भारत में बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय सारणी में उल्लेख किया गया है।
ला.न.: लागू नहीं

सारणी 2 : विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की अनुषंगी कार्यालयों के कर्मचारियों के ब्यौरे

	संख्या (मार्च)			वृद्धि (प्रतिशत)	
	2009	2010	2011	2009-10	2010-11
	1	2	3	4	5
अनुषंगी कार्यालयों की संख्या	99	123	150	24.2	22.0
कर्मचारियों की संख्या	1,638	1,986	2,325	21.2	17.1
जिसमें से:					
स्थानीय	1,283	1,613	1,949	25.7	20.8
भारतीय	331	353	356	6.6	0.8
अन्य	24	20	20	-16.7	0.0

सारणी 3 : विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों के सहभागी संस्थाओं के कर्मचारियों के ब्यौरे

	संख्या (मार्च)			वृद्धि (प्रतिशत)	
	2009	2010	2011	2009-10	2010-11
	1	2	3	4	5
सहयोगी संस्थाओं की संख्या	73	76	81	4.1	6.6
कर्मचारियों की संख्या	1,433	1,456	1,453	1.6	-0.2
जिसमें से:					
स्थानीय	1,400	1,419	1,416	1.4	-0.2
भारतीय	33	37	37	12.1	0
अन्य	0	0	0	0	0

प्रतिशत कर्मचारियों को स्थानीय स्रोतों से, 28.8 प्रतिशत कर्मचारियों को भारत से तथा शेष 2.2 प्रतिशत कर्मचारियों को अन्य देशों से नियुक्त किया। संदर्भगत अवधि के दौरान विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की अनुषंगियों के कर्मचारियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, यह वृद्धि अनुषंगी कार्यालयों की संख्या 2008-09 में 99 से बढ़कर 2010-11 में 150 हो जाने के कारण हुई है (सारणी 2)। मार्च 2011 में भारतीय बैंकों की अनुषंगियों ने स्थानीय स्रोतों से 83.8 प्रतिशत कर्मचारियों की नियुक्ति की तथा 15.3 प्रतिशत भारत से और शेष 0.9 प्रतिशत कर्मचारियों की नियुक्ति अन्य देशों से की है। भारतीय बैंकों की सहायक संस्थाओं ने 97.5 प्रतिशत कर्मचारियों की नियुक्ति स्थानीय स्रोत से की तथा शेष 2.5 प्रतिशत कर्मचारियों की नियुक्ति भारत से की। विदेशी शाखाओं और भारतीय बैंकों के अनुषंगी कार्यालयों और भारत में विदेशी बैंकों की शाखाओं के आईटीबीएस परिचालनों की प्रमुख विशेषताएं नीचे दी गई हैं।

खंड II

भारतीय बैंकों के विदेशी कारोबार

मार्च 2011 के अंत में भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं का समेकित तुलन-पत्र भारत के अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के समेकित तुलन-पत्र का 8.5 प्रतिशत था। 2009-10 के दौरान वैश्विक वित्तीय क्षेत्र की गतिविधि में आई गिरावट का असर भारतीय बैंकों के विदेशी परिचालनों में परिलक्षित हुआ। भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं के समेकित तुलन-पत्र में 2009-10 एवं 2010-2011 में क्रमशः 15.5 प्रतिशत और 42.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है (सारणी 4)। 2010-11 के दौरान विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं और अनुषंगी संस्थाओं की कुल आस्तियां/देयताएं मार्च 2011 के अंत में 34.1 प्रतिशत बढ़कर रुपये 6,457 बिलियन हो गईं।

मार्च 2011 के अंत में भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं की कुल आस्तियों में कर्ज का हिस्सा 61.2 प्रतिशत रहा जो विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की अनुषंगी कार्यालयों के समतुल्य 62.3 प्रतिशत था। परंतु भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं की कुल देयताओं में जुटायी गई जमाराशियों का हिस्सा 37.2 प्रतिशत था जो कि उनकी अनुषंगी कार्यालयों के 69.5 प्रतिशत के तदनुरूपी हिस्से की तुलना में बहुत कम था।

2008-09, 2009-10 तथा 2010-11 में भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं द्वारा दिया गया कर्ज 57.7 प्रतिशत, 14.7 प्रतिशत और 39.5 प्रतिशत बढ़ा जबकि उनके द्वारा जुटायी गई जमाराशियों

सारणी 4 : भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं के तुलन-पत्र की मदें

(राशि बिलियन ₹ में)

मद	मार्च के अंत में						वृद्धि (प्रतिशत)	
	2009		2010		2011			
	राशि	कुल देयताओं/आस्तियों में प्रतिशत हिस्सा	राशि	कुल देयताओं/आस्तियों में प्रतिशत हिस्सा	राशि	कुल देयताओं/आस्तियों में प्रतिशत हिस्सा	2009-10	2010-11
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
दिए गए कर्ज	2188.3	63.1	2510.0	62.6	3501.2	61.2	14.7	39.5
जुटाई गई जमाराशि	1396.9	40.3	1629.0	40.6	2125.7	37.2	16.6	30.5
कुल आस्तियां/ देयताएं	3470.5		4009.0		5720.5		15.5	42.7

सारणी 5 : विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की अनुषंगी कार्यालयों के तुलन-पत्र की मदें

(राशि बिलियन ₹ में)

मद	मार्च के अंत में						वृद्धि (प्रतिशत)	
	2009		2010		2011			
	राशि	कुल देयताओं/आस्तियों में प्रतिशत हिस्सा	राशि	कुल देयताओं/आस्तियों में प्रतिशत हिस्सा	राशि	कुल देयताओं/आस्तियों में प्रतिशत हिस्सा	2009-10	2010-11
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
दिए गए कर्ज	430.6	57.6	481.9	59.8	459.0	62.3	11.9	-4.8
जुटाई गई जमा	497.9	66.7	551.8	68.4	512.1	69.5	10.8	-7.2
कुल आस्तियां/ देयताएं	746.9		806.2		736.5		7.9	-8.7

में क्रमशः 81.4 प्रतिशत, 16.6 प्रतिशत और 30.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। भारतीय बैंकों विदेशी अनुषंगी कार्यालयों के तुलन-पत्र में 2009-10 के दौरान 7.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि 2010-11 में 8.7 प्रतिशत की कमी हुई थी (सारणी 5)। 2009-10 के दौरान भारतीय बैंकों के अनुषंगी कार्यालयों द्वारा दिए गए कर्ज और जुटायी गई जमाराशियों में क्रमशः4.8 प्रतिशत और 7.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन अगले वर्ष इसमें 4.8 प्रतिशत और 7.2 प्रतिशत की कमी आई।

भारतीय बैंकिंग कारोबार में विदेशी बैंकों का हिस्सा

भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के तुलन-पत्रों में 2009-10 के दौरान 3.1 प्रतिशत की कमी आई लेकिन बाद में अगले वर्ष 13.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई (सारणी 6)। 2010-11 में विदेशी बैंकों द्वारा दिए गए कर्ज में 21.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि 2009-10 के दौरान इसमें मामूली गिरावट आई थी। दूसरी ओर जमाराशि की वृद्धि दर 2009-10 में 11.1 प्रतिशत थी जो 2010-11 में घटकर 1.1 प्रतिशत रह गई।

भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की कुल आस्तियों/देयताओं में विदेशी बैंकों का हिस्सा 2009 के 8.5 प्रतिशत से घटकर 2011 में 6.8 प्रतिशत रह गया। कर्ज में उनका हिस्सा मार्च 2009 के 5.5 प्रतिशत से घटकर 4.6 प्रतिशत रह गया जबकि इसी अवधि में जमाराशियों में उनका हिस्सा 5.3 प्रतिशत से घटकर 4.3 प्रतिशत रहा गया।

सारणी 6 : भारतीय बैंकिंग कारोबार में विदेशी बैंकों का हिस्सा

(राशि बिलियन ₹ में)

मद	सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक*			वर्तमान सर्वेक्षण में शामिल किए गए विदेशी बैंक			भारतीय बैंकिंग कारोबार में विदेशी बैंकों का हिस्सा (प्रतिशत)		
	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11
रिपोर्ट करने वाले बैंकों (संख्या)	**80**	**81**	**81**	**29**	**30**	**31**	**29 (कुल संख्या)**	**30 (कुल संख्या)**	**31 (कुल संख्या)**
आस्तियां/देयताएं @	52,413.3 (21.2)	60,269.3 (15.0)	71,835.2 (19.2)	4,469.5 (22.8)	4,329.4 (-3.1)	4,904.8 (13.3)	8.5	7.2	6.8
कर्ज @	30,009.1 (21.2)	34,967.2 (16.5)	42,987.0 (22.9)	1,654.1 (3.0)	1,628.5 (-1.5)	1,980.7 (21.6)	5.5	4.7	4.6
जमाराशियां @	40,632.0 (22.4)	47,469.2 (16.8)	56,164.3 (18.3)	2,139.7 (12.0)	2,377.3 (11.1)	2,402.3 (1.1)	5.3	5.0	4.3
कुल आय	4,638.4	4,944.5	5,712.3	452.0	363.2	394.3	9.8	7.3	6.9
जिसमें से : प्राप्त ब्याज	3,888.1	4,151.8	4,916.7	303.1	263.2	285.9	7.8	6.3	5.8
कुल व्यय	3,524.8	3,721.1	4,220.2	326.2	200.1	281.3	9.3	5.4	6.7
जिसमें से : चुकाया गया ब्याज	2,632.2	2,720.8	2,988.9	128.1	85.9	107.3	4.9	3.2	3.6
निवल ब्याज मार्जिन	2.62	2.54	2.92	4.31	4.03	3.87	–	–	–

स्रोत : भारत में बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय सारणियां (विभिन्न अंक)। –: लागू नहीं। @ मार्च के अंत के की स्थिति।
कोष्ठक में दिए गए आंकड़े संबंधित मदों में हुई वार्षिक वृद्धि दर्शाते हैं।

सारणी 7 : विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाएं और भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाएं आय और व्यय

(राशि बिलियन ₹ में)

मद	विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाएं					भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाएं				
	राशि			वृद्धि (प्रतिशत)		राशि			वृद्धि (प्रतिशत)	
	2008-09	2009-10	2010-11	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2009-10	2009-10	2010-11
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
आय	167.4	161.8	196.6	-3.3	21.5	452.0	363.2	394.3	-19.6	8.5
जिसमें से: ब्याज आय	170.6	140.7	188.4	-17.5	33.9	303.1	263.2	285.9	-13.2	8.6
व्यय	165.1	121.6	134.0	-26.3	10.2	326.2	200.1	281.3	-38.7	40.6
जिसमें से: ब्याज व्यय	130.3	104.5	129.3	-19.8	23.6	128.1	85.9	107.3	-33.0	24.9

खंड III

आय और व्यय

भारत में सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की कुल आय में विदेशी बैंकों का हिस्सा 2008-09 के 9.8 प्रतिशत से कम होकर 2010-2011 को 6.9 प्रतिशत हो गया जो मुख्यतः ब्याज से होने वाली आय का हिस्सा 7.8 प्रतिशत से घटकर 5.8 प्रतिशत हो जाने की वजह से था (सारणी 6)। 2010-11 के दौरान कुल आय में ब्याज का हिस्सा विदेशी बैंकों में 72.5 प्रतिशत और एससीबी में 86.1 प्रतिशत था।

2009-10 के दौरान भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं और भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं की कुल आय में गिरावट आई। यह गिरावट कारोबार में कमी और वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान ब्याज आय में कमी के चलते हुई किन्तु अगले वर्ष में इसमें काफी सुधार हुआ (सारणी 7)। 2009-10 में भारतीय बैंकों की विदेश में कार्यरत शाखाओं और भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं का व्यय क्रमशः 26.3 प्रतिशत और 38.7 प्रतिशत घट गया। तथापि 2010-11 में उनकी आय और व्यय में पर्याप्त बढ़ोतरी हुई जो उनके तुलन-पत्रों में हुई बढ़ोतरी के अनुरूप थी। दूसरी ओर, 2010-11 के दौरान उनके समेकित तुलन-पत्र में हुए संकुचन के चलते भारतीय बैंकों के विदेश में कार्यरत अनुषंगी कार्यालयों की आय और व्यय में दोनों ही वर्षों में गिरावट आई (सारणी 8)।

लाभप्रदता अनुपात अर्थात् भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं की *कुल आय की तुलना में निवल लाभ* और *कुल आस्तियों की तुलना में निवल आय* में 2008-09 के 1.3 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत के मुकाबले 2010-11 में क्रमशः 31.8 प्रतिशत और 1.1 प्रतिशत की तीव्र बढ़ोतरी हुई (सारणी 9)। भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं की *कुल आय की तुलना में निवल लाभ* और *कुल आस्तियों की तुलना में निवल आय* का अनुपात 2008-09 में बढ़कर क्रमशः 44.9 प्रतिशत और 3.8 प्रतिशत हो गया जो 2010-11 में घटकर 28.6 प्रतिशत और 2.3 प्रतिशत रह गया। भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं और भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं का *कुल आस्तियों की तुलना में कुल आय का अनुपात* 2008-09 के 4.8 प्रतिशत और 10.1 प्रतिशत से घटकर 2010-11 में क्रमशः 3.4 प्रतिशत और 8.0 प्रतिशत हो गया।

भारतीय बैंकों के विदेशी अनुषंगी कार्यालयों के लाभप्रदता अनुपात में 2008-09 से 2010-11 तक लगातार बढ़ोतरी हुई

सारणी 8 : विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों के अनुषंगी कार्यालय-आय और व्यय

(राशि बिलियन ₹ में)

मद	राशि			वृद्धि (प्रतिशत)	
	2008-09	2009-10	2010-11	2009-10	2010 11
	1	2	3	4	5
आय	47.3	40.6	38.1	-14.3	-6.1
जिसमें से: ब्याज आय	39.2	33.5	32.9	-14.5	-2.0
व्यय	42.8	34.5	29.7	-19.4	-13.8
जिसमें से: ब्याज व्यय	30.1	26.4	20.8	-12.2	-21.2

सारणी 9: शाखाओं के लाभप्रदता अनुपात

(प्रतिशत)

लाभप्रदता अनुपात	भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाएं			भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाएं		
	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11
	1	2	3	4	5	6
कुल अस्तियों की तुलना में आय	4.8	4.0	3.4	10.1	8.4	8.0
कुल आय की तुलना में निवल लाभ	1.3	24.8	31.8	27.8	44.9	28.6
कुल आस्तियों की तुलना में निवल लाभ	0.1	1.0	1.1	2.8	3.8	2.3

सारणी 10: विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों के अनुषंगी कार्यालयों के लाभप्रदता अनुपात

(प्रतिशत)

लाभप्रदता अनुपात	विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों अनुषंगी कार्यालय		
	2008-09	2009-10	2010-11
	1	2	3
कुल आस्तियों की तुलना में आय	6.3	5.0	5.2
कुल आय की तुलना में निवल लाभ	9.7	15.0	22.0
कुल आस्तियों की तुलना में निवल लाभ	0.6	0.8	1.1

(सारणी 10)। तथापि *कुल आस्तियों की तुलना में आय अनुपात* 2008-09 के 6.3 प्रतिशत के मुकाबले घटकर 2010-11 में 5.2 प्रतिशत हो गया जबकि इसी अवधि के दौरान उनका समेकित तुलन-पत्र संकुचित हुआ।

विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं की देशवार लाभप्रदता

आस्तियों पर देशवार प्रतिलाभ अर्थात् विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की कुल आस्तियों की तुलना में निवल आय का विवरण चार्ट I में प्रस्तुत किया गया है। मालदीव में कार्यरत भारतीय बैंकों की आस्तियों पर प्रतिलाभ 2009-10 और 2010-11 में सबसे ज्यादा अर्थात् क्रमशः 4.6 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत था। 2009-10 और 2010-11 में भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं की आस्तियों के प्रतिलाभ में आस्ट्रेलिया, जापान, ओमान, सिंगापुर, थाईलैण्ड, यूके और यूएसए के मामले में सुधार हुआ, जबकि श्रीलंका, फिजी, मॉरिशस, बेलजियम, बहरीन और फ्रांस में गिरावट आई।

खंड IV

बैंकिंग सेवाओं में कार्यकलाप-वार व्यापार - विदेश में कार्यरत भारतीय बैंक

इस खंड में *मैनुअल ऑफ स्टेटिस्टिक्स ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड इन बैंकिंग सर्विसेज़, 2010* के अनुसार भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं और अनुषंगी कार्यालयों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं। बैंकिंग सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के आंकड़ों का संग्रह विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं और अनुषंगी कार्यालयों द्वारा प्रदान की गई विभिन्न सेवाओं के लिए ग्राहकों से ली गई सुव्यक्त और अव्यक्त शुल्क या कमीशन के आधार पर किया जाता है। इन सर्वेक्षण में शामिल की गई सेवाएं ग्यारह प्रमुख समूहों में वर्गीकृत की गई हैं, जिसके बार में पहले उल्लेख किया जा चुका है।

- *भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाएं*

2010-11 में भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं को जिन प्रमुख बैंकिंग सेवाओं से शुल्क आय प्राप्त हुई थी उनमें 'कर्ज से संबंधित सेवाएं' (54.4 प्रतिशत), 'व्यापार वित्त संबंधी सेवाएं' (24.2 प्रतिशत), 'डेरिवेटिव, स्टॉक, प्रतिभूतियां, विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं (10.2 प्रतिशत) और भुगतान व धन-प्रेषण सेवाएं' (6.0 प्रतिशत) शामिल हैं। 2009-10 और 2010-11 के दौरान उनकी शुल्क से प्राप्त आय में क्रमशः 9.7 प्रतिशत और 33.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से 'कर्ज संबंधित सेवाओं' से मिलने वाली शुल्क आय में वृद्धि के कारण हुई थी। भारतीय बैंकों की किसी भी विदेशी शाखा ने संदर्भगत अवधि में हामीदारी सेवाओं

चार्ट 1: देशवार आस्ति पर प्रतिलाभ

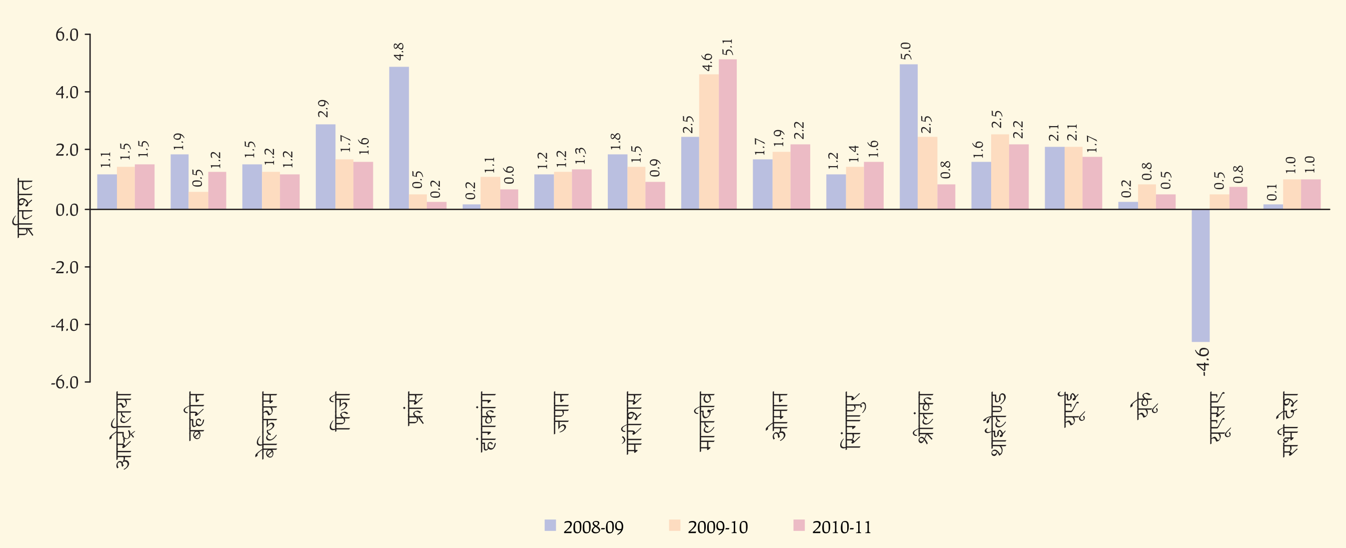

सारणी 11 : बैंकिंग सेवाओं में व्यापार की कार्य-कलापवार संघटना : भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाएं

(मिलियन ₹)

बैंकिंग सेवाएं	2008-09	2009-10	2010-11	वृद्धि (प्रतिशत)	
				2009-10	2010-11
	1	2	3	4	5
जमा खाता प्रबंध सेवाएं	822	567	919	-31.0	61.9
कर्ज से संबंधित सेवाएं	11,796	15,575	23,943	32.0	53.7
वित्तीय पट्टीदायी सेवाएं	0	60	0		
व्यापार वित्त संबंधी सेवाएं	12,148	10,942	10,636	-9.9	-2.8
भुगतान और धन प्रेषण सेवाएं	2,738	3,054	2,634	11.6	-13.8
निधि प्रबंधन सेवाएं	16	166	0.1	923.5	-99.9
वित्तीय परामर्शी और सलाहकारी सेवाएं	734	419	937	-42.9	123.7
हामीदारी सेवाएं	0	0	0		
समाशोधन और निवटान सेवाएं	194	14	3	-92.7	-78.9
डेरिवेटिव, शेयर, प्रतिभूति और विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं	1,313	1,948	4,490	48.4	130.5
अन्य वित्तीय सेवाएं	361	287	453	-20.7	58.2
कुल	**30,122**	**33,032**	**44,015**	**9.7**	**33.2**

से शुल्क आय अर्जित नहीं की। 2009-10 में सेवाओं अर्थात् 'जमा खाता प्रबंध सेवाओं', 'वित्तीय परामर्शी और सलाहकारी सेवाओं' और 'अन्य वित्तीय सेवाओं' से प्राप्त शुल्क आय में गिरावट आई किन्तु 2010-11 में इसमें सुधार हुआ।

- *भारतीय बैंकों के विदेशी अनुषंगी कार्यालय*

2009-10 और 2010-11 में भारतीय बैंकों के विदेशी अनुषंगी कार्यालयों ने बैंकिंग सेवाओं में व्यापार के माध्यम से प्राप्त आय में क्रमशः 54.6 प्रतिशत और 40.9 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की (सारणी 12)। 2008-09 में वैश्विक वित्तीय संकट की चरमावस्था के दौरान 'डेरिवेटिव, स्टॉक, प्रतिभूतियों, विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाओं' से प्राप्त आय में ₹7.4 बिलियन की गिरावट आयी। भारतीय बैंकों की शाखाओं की तरह भारतीय बैंकों की विदेश स्थित अनुषंगी कार्यालयों ने भी अपनी अधिकांश शुल्क आय 'कर्ज से संबंधित सेवाओं' से प्राप्त की। भारतीय बैंकों की के किसी भी अनुषंगी कार्यालय ने संदर्भगत अवधि में 'वित्तीय पट्टेदारी सेवाओं' और 'हामीदारी सेवाओं' से शुल्क आय अर्जित नहीं की।

सारणी 12 : बैंकिंग सेवाओं में व्यापार की कार्य-कलापवार संघटना : विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों के अनुषंगी कार्यालय

(मिलियन ₹)

बैंकिंग सेवाएं	2008-09	2009-10	2010-11	वृद्धि (प्रतिशत)	
				2009-10	2010-11
	1	2	3	4	5
जमा खाता प्रबंध सेवाएं	117	115	309	-1.3	167.5
कर्ज संबद्ध सेवाएं	2,096	2,475	1,336	18.1	-46.0
वित्तीय पट्टीदायी सेवाएं	0	0	0		
व्यापार वित्त संबंधी सेवाएं	1,555	855	398	-45.0	-53.4
भुगतान और धन प्रेषण सेवाएं	1,072	996	318	-7.0	-68.0
निधि प्रबंधन सेवाएं	0	3	0		
वित्तीय परामर्शी और सलाहकारी सेवाएं	1,256	560	501	-55.4	-10.6
हामीदारी सेवाएं	0	0	0		
समाशोधन और निवटान सेवाएं	8	11	5	36.4	-57.4
डेरिवेटिव, शेयर, प्रतिभूति और विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं	-7,400	489	331	#	-32.3
अन्य वित्तीय सेवाएं	13,722	132	134	-99.0	0.8
कुल	**12,426**	**5,636**	**3,332**	**-54.6**	**-40.9**

हर ऋणात्मक है।

सारणी 13 : विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं द्वारा बैंकिंग सेवाओं में व्यापार (शुल्क आय) - निवासी और अनिवासी

(बिलियन ₹)

मद	2008-09	2009-10	2010-11	वृद्धि (प्रतिशत)	
				2009-10	2010-11
	1	2	3	4	5
निवासी	11.31	11.11	15.92	-1.9	43.3
अनिवासी	18.81	21.92	28.09	16.5	28.1
जिसमें से:					
भारत में	11.13	11.32	15.39	1.7	36.0
अन्य देशों में	7.68	10.60	12.70	38.0	19.8
बैंकिंग सेवाओं में कुल व्यापार (शुल्क आय)	30.12	33.03	44.01	9.7	33.3

सारणी 14 : विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों के अनुषंगी कार्यालयों द्वारा बैंकिंग सेवाओं में व्यापार (शुल्क आय)- निवासी और अनिवासी

(बिलियन ₹)

मद	2008-09	2009-10	2010-11	वृद्धि (प्रतिशत)	
				2009-10	2010-11
	1	2	3	4	5
निवासी	8.08	2.60	1.95	-67.8	-25.0
अनिवासी	4.35	3.04	1.38	-30.1	-54.6
जिसमें से:					
भारत में	0.75	1.25	0.30	66.7	-76.0
अन्य देशों में	3.60	1.79	1.08	-50.3	-39.7
बैंकिंग सेवाओं में कुल व्यापार (शुल्क आय)	12.43	5.64	3.33	-54.7	-40.9

विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों द्वारा बैंकिंग सेवाओं में व्यापार - निवासी और अनिवासी

- *भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाएं*

विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों द्वारा निवासियों को दी गई बैंकिंग सेवाओं से प्राप्त आय 2008-09 और 2009-10 के दौरान लगभग समान अर्थात् ₹11.3-11.1 बिलियन रही किन्तु बाद में 2010-11 में यह बढ़कर ₹15.9 बिलियन हो गई। 2010-11 के दौरान निवासियों को दी गई बैंकिंग सेवाओं से प्राप्त शुल्क आय में वृद्धि की दर अनिवासियों को प्रदान करके प्राप्त की गई आय से अधिक थी। भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं की लगभग दो-तिहाई शुल्क आय अनिवासियों, विशेष रूप से भारत में रहने वाले अनिवासियों को प्रदान की गई बैंकिंग सेवाओं से प्राप्त हुई (सारणी 13)। भारत में अनिवासियों को प्रदान की गई सेवाओं से प्राप्त शुल्क आय का हिस्सा उनकी कुल शुल्क आय का लगभग 35 प्रतिशत था और अन्य देशों से अनिवासियों को प्रदान की गई सेवाओं से 2010-11 में प्राप्त शुल्क आय 28.8 प्रतिशत थी।

- *भारतीय बैंकों के विदेशी अनुषंगी कार्यालय*

2009-10 और 2010-11 के दौरान भारतीय बैंकों के विदेशी अनुषंगी कार्यालयों की शुल्क आय में क्रमशः 54.7 प्रतिशत और 40.9 प्रतिशत की तेज गिरावट आई। यह गिरावट निवासियों को प्रदान की गई बैंकिंग सेवाओं से प्राप्त आय में हुई कमी के कारण थी। भारत के बाहर कार्यरत भारतीय बैंकों की अनुषंगी कार्यालयों द्वारा निवासियों को प्रदान की गई बैंकिंग सेवाओं से प्राप्त आय 2008-09 में 65.0 प्रतिशत, 2009-10 में 46.2 प्रतिशत और 2010-11 में 58.6 प्रतिशत रही थी। अनिवासियों में, भारतीय बैंकों की अनुषंगी कार्यालयों ने अन्य देशों के अनिवासियों को सेवाएं प्रदान करके अपनी

चार्ट 2 : भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं द्वारा बैंकिंग सेवाओं में व्यापार के माध्यम से प्राप्त आय की संघटना

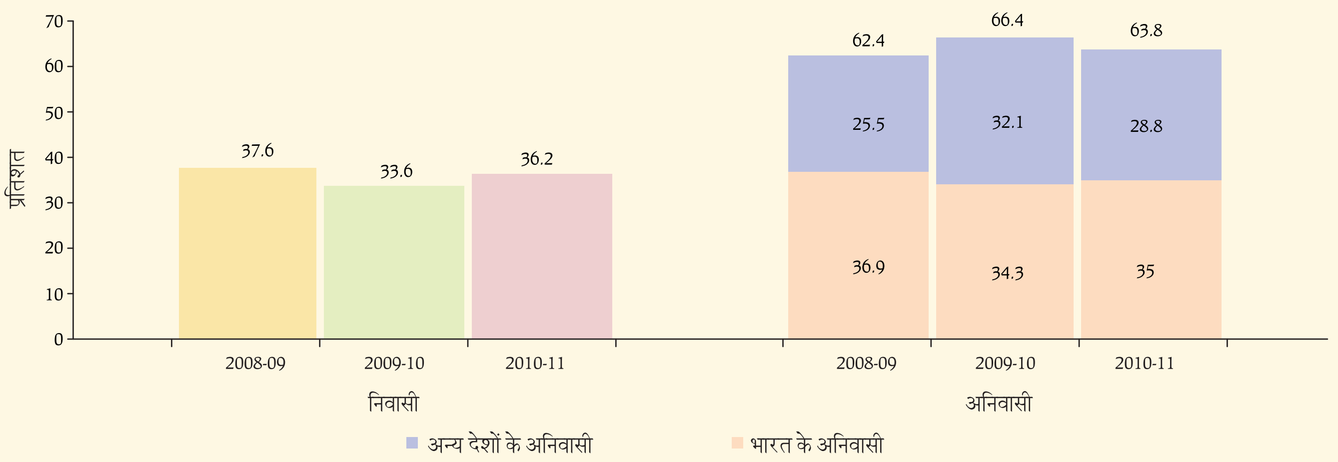

चार्ट 3 : भारतीय बैंकों के विदेशी अनुषंगी कार्यालयों द्वारा बैंकिंग सेवाओं में व्यापार के माध्यम से प्राप्त आय की संघटना

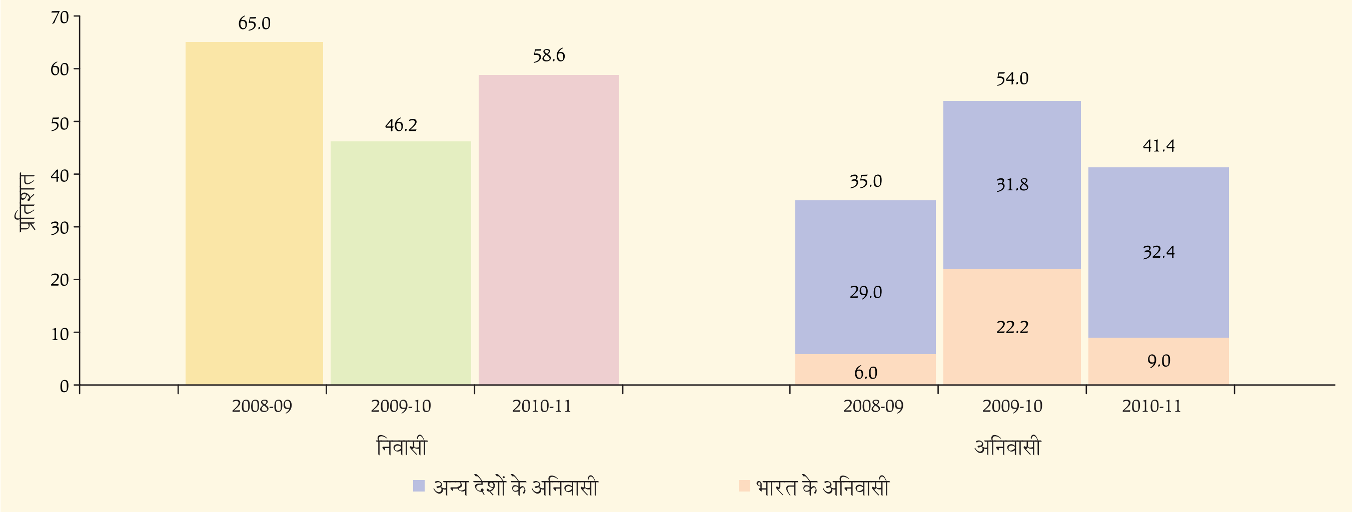

कुल शुल्क आय का अधिकांश हिस्सा प्राप्त किया (सारणी 14 और चार्ट 3)।

बैंकिंग सेवाओं में देशवार व्यापार - विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाएं और अनुषंगी कार्यालय

बहरीन, बेल्जियम, हांगकांग, जापान, सिंगापुर, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, यूके और यूएसए ऐसे प्रमुख देश थे जिनका विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं की बैंकिंग सेवाओं में कुल समेकित हिस्सा लगभग 90 प्रतिशत था (सारणी 15)। 2010-11 में बैंकिंग सेवाओं में व्यापार द्वारा प्राप्त कुल शुल्क आय में यूके का हिस्सा (23.9 प्रतिशत) सबसे अधिक था, उसके बाद सिंगापुर (17.3 प्रतिशत) और हांगकांग (12.9 प्रतिशत) का क्रम था। यूके, बोत्सवाना, कनाडा और रूस ऐसे प्रमुख देश थे जिनमें विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की अनुषंगी कार्यालयों की बैंकिंग सेवाओं के

सारणी 15 : बैंकिंग सेवाओं में व्यापार - भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं का देश-वार वर्गीकरण

(मिलियन ₹)

देश	बैंकिंग सेवाओं में व्यापार																		कुल		
	डीएएम			सीआरएस			टीएफआर			पीएमटी			डीईआर			अन्य सेवाएं			कुल सभी सेवाएं		
	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21
बहरीन	-5.0	3.1	2.9	2,567.8	2,219.2	2,050.8	2,422.6	454.6	293.6	0.0	27.8	16.7	182.7	292.3	309.8	733.7	80.1	992.0	5,901.7	3,077.2	3,665.7
बेल्जियम	62.3	1.7	0.0	120.6	528.2	328.0	1,017.7	429.7	248.9	114.8	153.9	169.9	0.0	14.2	9.2	0.0	0.0	0.0	1,315.4	1,127.8	756.0
हांग कांग	41.1	45.6	5.5	1,018.4	2,287.3	3,522.3	1,945.7	1,181.7	1,283.8	68.6	81.7	115.5	277.0	304.7	728.9	194.6	298.1	40.9	3,545.4	4,199.0	5,696.9
जापान	0.4	0.1	203.7	722.8	0.0	692.0	201.6	3,606.9	37.2	28.4	2.1	37.8	195.3	8.4	16.4	11.6	0.0	3.8	1,160.1	3,617.5	990.9
सिंगापुर	4.2	4.5	-37.3	3,050.4	4,345.6	3,609.4	1,412.9	598.6	2,624.2	223.2	111.2	189.5	-620.4	656.0	1,091.0	288.8	293.2	129.0	4,359.1	6,009.2	7,605.7
श्रीलंका	16.9	6.4	1.4	3.5	4.4	30.1	25.2	39.2	50.1	1.1	4.4	13.0	0.0	4.3	27.3	13.8	1.0	36.3	60.5	59.8	158.2
यूएई	471.3	343.4	520.7	136.1	349.2	1,787.0	914.3	1,264.1	2,482.1	51.6	43.2	60.3	234.2	198.1	336.9	0.0	0.0	2.6	1,807.6	2,197.9	5,189.5
यूके	93.1	64.9	78.7	2,566.9	4,127.7	7,904.0	1.489.3	1,166.8	2,062.8	436.1	186.5	337.4	361.6	138.4	138.0	0.0	0.1	0.0	4,947.0	5,684.4	10,520.8
यूएसए	0.7	0.8	0.7	1,236.2	1,024.4	2,816.6	1,726.1	749.9	725.6	685.7	1,692.3	807.8	160.3	0.8	0.0	0.0	0.0	0.0	3,808.9	3,468.1	4,350.7
अन्य देश	136.7	96.8	142.2	373.6	688.9	1,203.3	992.8	1,450.4	827.2	1,128.1	750.9	886.1	522.1	331.1	1,832.8	62.1	273.3	189.3	3,215.4	3,591.4	5,080.9
कुल	821.8	567.3	918.6	11,796.2	15,574.9	23,943.3	12,148.2	10,942.0	10,635.6	2,737.7	3,054.0	2,634.0	1,312.7	1,948.2	4,490.2	1,304.5	945.9	1,393.7	30,121.2	33,032.3	44,015.3

डीएएम : जमा खाता प्रबंध सेवाएं सीआरएस : कर्ज़ संबंधी सेवाएं
टीएफआर: व्यापार वित्त संबंधी सेवाएं पीएमटी : भुगतान और मुद्रा प्रेषण सेवाएं
डीईआर : डेरिवेटिव, शेयर, प्रतिभूतियां और विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं

सारणी 16: बैंकिंग सेवाओं में व्यापार - भारतीय बैंकों की विदेशी सहायक संस्थाओं का देश-वार वर्गीकरण

(मिलियन ₹)

देश	बैंकिंग सेवाओं में व्यापार																		कुल		
	डीएएम			सीआरएस			टीएफआर			पीएमटी			डीईआर			अन्य सेवाएं			कुल सभी सेवाएं		
	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21
बोत्सवाना	0.0	0	0	9.9	11.1	66	1,343.3	0.0	0.2	968.1	6.0	0.8	973.9	31.5	0.0	0.0	0.0	0.0	3,295.2	48.6	75
कनाडा	11.6	41.8	41.4	227.2	373.5	397.7	12.5	27.2	31.4	4.5	31.5	39.0	-8,875.4	164.2	148.5	11,209.9	449.3	50.7	2,590.4	1,087.6	708.8
रूस	0.4	1.3	1.8	243.7	129.8	55.6	2.6	4.0	16.5	36.3	25.9	23.5	4.0	5.6	0.0	12.7	10.9	12.3	299.7	177.5	109.6
यूनाइटेड किंगडम	0.0	0.0	32.7	1478.8	1,707.4	483.0	124.9	681.0	178.7	0.0	894.6	12.2	202.8	80.9	0.0	3,748.2	110.7	449.8	5,554.6	3,474.6	1,156.3
अन्य देश	105.0	72.4	232.9	135.9	252.8	393.5	71.5	143.1	171.6	62.6	38.4	243.0	294.4	206.8	182.7	16.9	135.6	126.0	686.4	849.1	1,349.6
कुल	117.0	115.4	308.8	2,095.6	2,474.7	1,336.4	1,554.9	855.3	398.4	1,071.5	996.4	318.4	-7,400.3	489.0	331.2	14,987.7	706.6	638.7	12,426.3	5,637.4	3,331.8

डीएएम : जमा खाता प्रबंध सेवाएं सीआरएस : कर्ज़ संबंधी सेवाएं
टीएफआर: व्यापार वित्त संबंधी सेवाएं पीएमटी : भुगतान और मुद्रा प्रेषण सेवाएं
डीईआर : डेरिवेटिव, शेयर, प्रतिभूतियां और विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं

कुल व्यापार में 2009-10 में 84.9 प्रतिशत और 2010-11 में 59.5 प्रतिशत हिस्सा रहा था (सारणी 16)।

बैंकिंग सेवाओं में व्यापार के माध्यम से सृजित शुल्क आय से भारत को प्राप्त राशि

2010-11 में भारतीय बैंकों के विभिन्न देशों में परिचालन के कारण भारत को प्राप्त राशि ₹47.3 बिलियन थी जिसमें से 92.9 प्रतिशत शुल्क आय विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं द्वारा प्राप्त की गई थी और शेष 7.1 प्रतिशत शुल्क आय विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की अनुषंगी कार्यालयों द्वारा प्राप्त की गई थी। विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों द्वारा प्राप्त राशि से संबंधित जानकारी देशवार सारणी 17 में दी गई है। 2010-11 के दौरान भारत को प्राप्त राशि में यूके में कार्यरत बैंकों का योगदान सबसे अधिक था, उसके बाद सिंगापुर (16.1प्रतिशत), हांगकांग (12.0

सारणी 17 : विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों से भारत को प्राप्त राशि

(मिलियन ₹)

देश	2008-09		2009-10		2010-11	
	शाखाओं / कार्यालयों की संख्या	भारत को प्राप्त राशि	शाखाओं / कार्यालयों की संख्या	भारत को प्राप्त राशि	शाखाओं / कार्यालयों की संख्या	भारत को प्राप्त राशि
अफगानिस्तान	1	14.0	1	12.7	1	13.5
ऑस्ट्रेलिया	1	124.3	1	204.2	1	230.6
बहामास आइलैंड	2	15.6	2	0.0	2	1,719.9
बहरीन	4	5,901.7	5	3,077.2	5	3,665.7
बांग्लादेश	4	720.2	4	242.0	5	848.4
बेल्जियम	3	1,315.4	3	1,127.8	3	756.0
भूटान	ला.न.	ला.न.	2*	0.6	3*	27.7
बोत्सावना	2*	3,295.2	2*	48.6	2*	7.5
कंबोडिया	ला.न.	ला.न.	1	1.2	1	2.2
कनाडा	10*	2,590.4	16*	1,087.6	16*	708.8
केमैन आइलैंड	1	139.7	1	0.0	1	17.7
चीन	4	156.8	4	220.6	4	210.7
फिजी	8	101.7	9	76.6	9	87.8
फ्रांस	2	371.7	2	86.2	2	67.3
जर्मनी	1	621.7	1	1,481.5	1	391.1
घाना	1*	2.4	1*	5.5	1*	21.1
गयाना	1*	14.9	1*	18.3	1*	19.6

सारणी 17 : विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों से भारत को प्राप्त राशि *(जारी)*

(मिलियन ₹)

देश	2008-09		2009-10		2010-11	
	शाखाओं / कार्यालयों की संख्या	भारत को प्राप्त राशि	शाखाओं / कार्यालयों की संख्या	भारत को प्राप्त राशि	शाखाओं / कार्यालयों की संख्या	भारत को प्राप्त राशि
हांगकांग	15	3,545.4	17	4,199.0	18	5,696.9
इंडोनेशिया	14*	14.5	14*	25.2	14*	13.2
इजराइल	1	0.0	1	78.8	1	155.9
जापान	4	1,160.1	4	3,617.5	4	990.9
चैनेल आइलैंड	1	203.0	1	182.8	1	266.1
कीनिया	4+8*	189.0	4+8*	150.5	4+8*	180.5
कज़ाकिस्तान	ला.न.	ला.न.	ला.न.	ला.न.	5*	0.0
दक्षिण कोरिया	1	0.0	1	0.0	1	0.0
मालद्वीप	3	358.5	2	439.0	2	380.3
मॉरीशस	6	50.1	8+13*	263.7	8+14*	493.3
नेपाल	33*	69.5	33*	331.8	43*	248.5
न्यूजीलैंड	ला.न.	ला.न.	1*	0.0	1*	9.0
ओमन	4	99.6	4	131.2	4	102.7
रूस	3*	299.7	2*	177.5	2*	109.6
सिचेलीस	1	99.5	1	236.8	1	188.7
सिंगापुर	13	4,359.1	15	6,009.2	16	7,605.7
दक्षिण अफ्रीका	3	9.6	3	17.1	3	212.8
श्रीलंका	7	60.5	7	59.8	7	158.2
टांझानिया	2*	87.3	2*	45.9	2*	105.5
थाईलैंड	1	24.6	1	23.5	1	24.2
त्रिनिदाद और टोबोगो	1*	2.6	3*	3.9	3*	3.9
यूगांडा	10*	411.1	10*	160.9	10*	217.3
यूएई	7	1,807.6	9	2,197.9	11	5,189.5
यूके	24+14*	10,501.7	25+15*	9,159.1	28+15*	11,677.2
यूएसए	8	3,808.9	7	3,468.1	8+10*	4,521.6
अनुषंगी कार्यालयों और शाखाओं सहित कुल	134+99*	42,547.5	144+123*	38,669.7	153+150*	47,347.2
अनुषंगी कार्यालयों को छोड़कर कुल विदेशी शाखाएं	134	30,121.2	144	33,032.3	153	44,015.3

* विदेश में अनुषंगी कार्यालय

प्रतिशत), यूएई (11.0 प्रतिशत), यूएसए (9.5 प्रतिशत) और बहरीन (7.7 प्रतिशत) का क्रम था। 2010-11 के दौरान से इन सभी देशों ने मिलकर 80 प्रतिशत से अधिक राशि प्राप्त की और इन देशों में भारतीय बैंकों की 86 विदेशी शाखाएं और 25 विदेशी अनुषंगी कार्यालय शामिल हैं।

खंड V

बैंकिंग सेवाओं में व्यापार की तुलना - भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं की तुलना में विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाएं

तुलनात्मक विश्लेषण से पता चलता है कि सेवाएं प्रदान करके शुल्क आय सृजित करने में भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाएं भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं से पिछड़ रही थी। 2009-10 के दौरान भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की 302 शाखाओं ने ₹97.8 बिलियन की शुल्क आय प्राप्त की जबकि भारतीय बैंकों की 144 विदेशी शाखाओं ने ₹33.0 बिलियन की शुल्क आय प्राप्त की (चार्ट 4)। इसी प्रकार, 2010-11 में भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की 309 शाखाओं ने भारत के बाहर कार्यरत भारतीय बैंकों की 153 शाखाओं द्वारा अर्जित ₹44.0 बिलियन की कुल शुल्क आय की तुलना में ₹106.7 बिलियन की शुल्क आय अर्जित की थी।

बैंकिंग सेवाओं में व्यापार के कार्य-कलापवार तुलना

विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों ने शुल्क आय का प्रमुख हिस्सा सेवाएं अर्थात् 'कर्ज से संबंधित सेवाओं' और 'व्यापार-वित्त से संबंधित सेवाओं' से प्राप्त किया जिनका कुल सेवाओं में समेकित हिस्सा 2009-10 और 2010-11 में क्रमशः 80.3 प्रतिशत और 78.6 प्रतिशत था। दूसरी ओर, इसी अवधि में भारत में कार्यरत

चार्ट 4 : बैंकिंग सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार

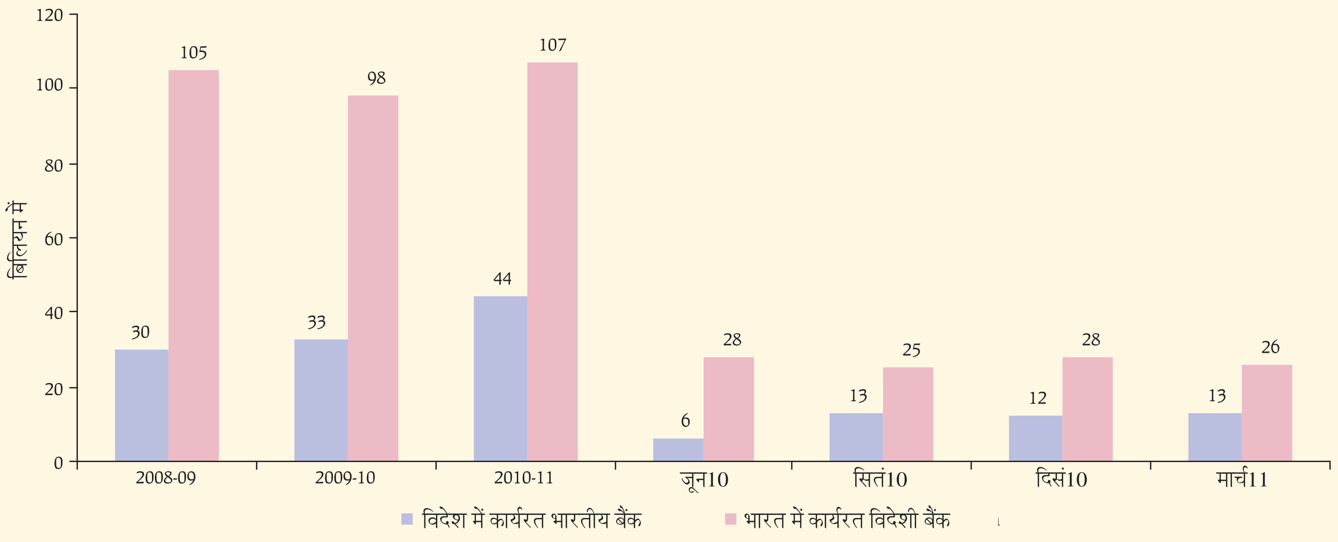

विदेशी बैंकों द्वारा प्राप्त की गई प्रमुख शुल्क आय के स्रोत 'डेरिवेटिव, स्टॉक, प्रतिभूतियां, विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं' और 'वित्तीय परामर्शी और सलाहकारी सेवाएं' थे।

भारत के बाहर कार्यरत भारतीय बैंकों की कुल शुल्क आय में 'कर्ज से संबंधित सेवाओं' से प्राप्त शुल्क आय का हिस्सा 2008-09 के 39.2 प्रतिशत से बढ़कर 2010-11 में 54.4 प्रतिशत हो गया जबकि इसी अवधि में 'व्यापार वित्त से संबंधित सेवाओं' का हिस्सा 40.3 से घटकर 24.2 प्रतिशत रहा गया। भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की कुल शुल्क आय में व्यापार 'वित्त से संबंधित सेवाओं' का हिस्सा 2008-09 के 17.7 प्रतिशत से घटकर 2010-11 में 11.1 प्रतिशत रह गया (सारणी 18), किन्तु 'वित्तीय परामर्शी और सलाहकारी सेवाओं' का हिस्सा 2010-11 में 14.1 प्रतिशत की मामूली कमी होने के पहले 2009-10 के दौरान बढ़कर दोगुना हो गया था। विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों ने संदर्भगत अवधि के दौरान 'हामीदारी सेवाओं' से कोई शुल्क आय नहीं प्राप्त की।

निवासी और अनिवासियों के अनुसार बैंकिंग सेवाओं के व्यापार की संघटना

निवासियों और अनिवासियों से शुल्क आय प्राप्त करने में एक उल्लेखनीय वैषम्य विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों और भारत में

सारणी 18 : बैंकिंग सेवाओं में व्यापार की संघटना

(प्रतिशत)

कार्यकलाप	विदेश में कार्यरत भारतीय बैंक			भारत में कार्यरत विदेशी बैंक		
	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11
	1	2	3	4	5	6
जमा खाता प्रबंध सेवाएं	2.7	1.7	2.1	2.8	4.1	3.8
कर्ज संबद्ध सेवाएं	39.2	47.2	54.4	8.4	7.2	9.0
वित्तीय पट्टीदायी सेवाएं	0.0	0.2	0.0	0.9	0.0	0.0
व्यापार वित्त संबंधी सेवाएं	40.3	33.1	24.2	17.7	14.0	11.1
भुगतान और धन प्रेषण सेवाएं	9.1	9.2	6.0	7.0	7.0	17.5
निधि प्रबंधन सेवाएं	0.1	0.5	0.0	3.1	4.7	5.2
वित्तीय परामर्शी और सलाहकारी सेवाएं	2.4	1.3	2.1	9.6	19.5	14.1
हामीदारी सेवाएं	0.0	0.0	0.0	0.8	0.4	0.4
समाशोधन और निवटान सेवाएं	0.6	0.0	0.0	3.4	2.2	2.0
डेरिवेटिव, शेयर, प्रतिभूति और विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं	4.4	5.9	10.2	35.2	18.7	27.1
अन्य वित्तीय सेवाएं	1.2	0.9	1.0	11.1	22.1	9.8
सभी कार्य-कलाप	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0

सारणी 19 : बैंकिंग सेवाओं में व्यापार से प्राप्त शुल्क आय की संघटना

(प्रतिशत)

भारतीय बैंक	2008-09	2009-10	2010-11	विदेशी बैंक	2008-09	2009-10	2010-11
	1	2	3	4	5	6	7
निवासी	37.6	33.6	36.2	निवासी	93.3	82.5	78.1
अनिवासी	62.4	66.4	63.8	अनिवासी	6.7	17.5	21.9
जिसमें से:							
भारत के प्रति	36.9	34.3	35.0				
अन्य देशों के प्रति	25.5	32.1	28.8				

कार्यरत विदेशी बैंकों के बीच देखा गया (सारणी 19)। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है (सारणी 13 भी देखें), भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं ने अनिवासियों को सेवाएं प्रदान करके अपनी शुल्क आय का प्रमुख हिस्सा प्राप्त किया, जबकि भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों ने स्थानीय लोगों अधिक सेवाएं प्रदान कीं और निवासियों को प्रदान की गई सेवाओं से अपनी शुल्क आय का प्रमुख हिस्सा प्राप्त किया। तथापि निवासियों को प्रदान की गई सेवाओं से प्राप्त शुल्क आय का उनका हिस्सा 2008-09 के 93.3 प्रतिशत से घटकर 2010-11 में 78.1 प्रतिशत हो गया।

2009-10 में भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं और भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों द्वारा निवासियों को प्रदान की गई सेवाओं से प्राप्त शुल्क आय में क्रमशः 1.9 प्रतिशत और 18.0 प्रतिशत की गिरावट आई (चार्ट 5) किन्तु अनिवासियों को प्रदान की गई सेवाओं से प्राप्त शुल्क आय में क्रमशः 16.5 प्रतिशत और 139.5 प्रतिशत

चार्ट 5 : 2008-09 की तुलना में 2009-10 में निवासियों और अनिवासियों से प्राप्त शुल्क आय में वार्षिक वृद्धि

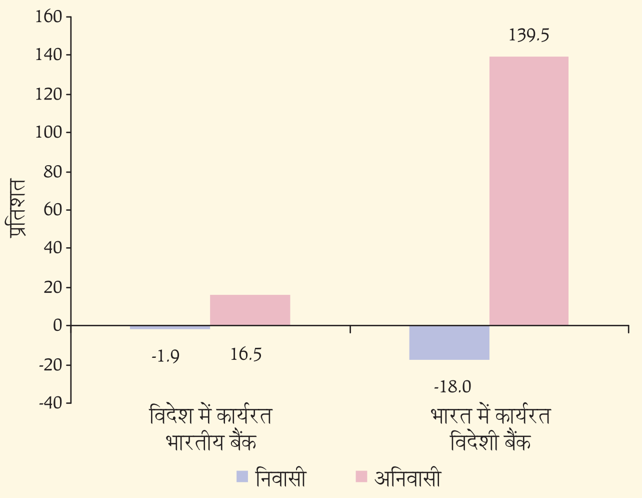

चार्ट 6 : 2009-10 की तुलना में 2010-11 में निवासियों और अनिवासियों से प्राप्त शुल्क आय में वृद्धि

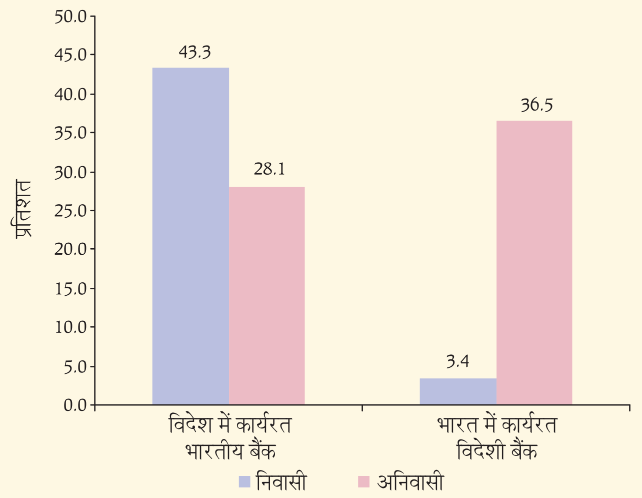

की काफी अधिक वृद्धि हुई। 2010-11 के दौरान दोनों वर्गों के बैंकों ने निवासियों और अनिवासियों को प्रदान की गई सेवाओं से प्राप्त शुल्क आय में वृद्धि दर्ज की (चार्ट 6)।

बैंकिंग सेवाओं में व्यापार से भारत और विदेश को प्राप्त उपचित राशियों की तुलना

2010-11 के दौरान 29 देशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की 153 शाखाओं द्वारा भारत के प्रति उपचित राशि ₹44.0 बिलियन थी जो अन्य देशों के प्रति (भारत को छोड़कर) भारत में कार्यरत बैंकों की उनकी शाखाओं को उपचित राशि ₹106.7 बिलियन की तुलना में बहुत कम थी। 2010-11 में यूके, हांगकांग, यूएसए, जर्मनी, फ्रांस और ओमान के बैंकों द्वारा भारत में बैंकिंग सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय व्यापार से प्राप्त राशि ऐसे परिचालनों से भारत को प्राप्त होने वाली राशि से अधिक थी। तथापि आईटीबीएस से भारत को उपचित राशि आस्ट्रेलिया, बहरीन, बांग्लादेश, बेल्जियम, जापान, मॉरिशस, सिंगापुर और यूएई जैसे देशों को भारत में परिचालनों से प्राप्त राशि से अधिक थी।

2010-11 में भारत में कार्यरत यूके मूल के बैंकों की 103 शाखाओं द्वारा प्राप्त की गई ₹25.5 बिलियन की शुल्क आय यूके में कार्यरत भारतीय बैंकों की 28 शाखाओं द्वारा प्राप्त की गई ₹10.5 बिलियन की शुल्क आय से अधिक थी। इसी प्रकार भारत में कार्यरत हांगकांग मूल की 50 शाखाएं थीं जिनकी शुल्क आय ₹12.4 बिलियन थी जबकि हांगकांग में भारतीय बैंकों की 18 शाखाएं थी जिनकी शुल्क आय ₹5.7 बिलियन थी। भारत में कार्यरत यूएसए

मूल की 49 शाखाएं थी जिनकी शुल्क आय ₹34.2 बिलियन थी जबकि यूएसए में भारतीय बैंकों की 8 शाखाएं थीं जिनकी शुल्क आय ₹4.4 बिलियन थी (सारणी 20)।

खंड VI

निष्कर्ष

वैश्विक वित्तीय संकट के चलते 2008-2011 के दौरान बैंकिंग सेवाओं में अन्तरराष्ट्रीय व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, इसका असर भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के परिचालनों और विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं/अनुषंगी कार्यालयों के परिचालनों में दिखाई दिया। ये बातें उनके तुलन-पत्र के आकार, शुल्क आय के कार्य-कलापवार और देशवार संघटना, लाभप्रदता अनुपात में हुए परिवर्तनों में दिखाई दी। भारत में विदेशी बैंकों के परिचालनों में संकट का प्रभाव दिखाई दिया और उनके तुलन-पत्रों में 2009-10 जो संकुचन हुआ था उनमें बाद में 2010-11 में विस्तार हुआ।

दूसरी ओर, भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं ने अपने कारोबार में विस्तार करना जारी रखा क्योंकि कर्ज संबंधी सेवाएं उनके विदेशी परिचालनों का बड़ा हिस्सा थीं। भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं की शुल्क आय भारत के निवासियों और अनिवासियों और अन्य देशों के अनिवासियों को प्रदान की गई सेवाओं से समान अनुपात में प्राप्त की गई जबकि विदेशी बैंकों की शुल्क आय का प्रमुख हिस्सा निवासियों से प्राप्त हुआ। 'डेरिवेटिव, स्टॉक, प्रतिभूतियां, विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं' और 'वित्तीय परामर्शी और सलाहकारी सेवाएं' भारत में विदेशी बैंकों की शुल्क आय के प्रमुख स्रोत थे और संदर्भगत अवधि के दौरान भारत में विदेशी बैंकों के परिचालनों का आकार भारतीय बैंकों के विदेशी परिचालनों के परिचालनों की तुलना में बहुत अधिक थे। इस प्रकार, भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं की बैंकिंग सेवाओं में व्यापार से प्राप्त आय भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं/अनुषंगी कार्यालयों द्वारा प्राप्त की गई आय की तुलना में बहुत अधिक थी।

सारणी 20 : भारत को तथा अन्य देशों को प्राप्त राशि

(मिलियन ₹)

देश	भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाएं						विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाएं					
	शाखाओं की संख्या			अन्य देशों को प्राप्त राशि			शाखाओं की संख्या			भारत को प्राप्त राशि		
	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11
ऑस्ट्रेलिया	एनए	एनए	1	एनए	एनए	19.8	1	1	1	124.3	204.2	230.6
बहरीन	2	2	2	36.2	28.9	62.7	4	5	5	5,901.7	3,077.2	3,665.7
बांग्लादेश	3	3	3	46.8	175.1	45.4	4	4	5	720.2	242.0	848.4
बेल्जियम	1	1	1	132.2	170.7	137.4	3	3	3	1,315.4	1,127.8	756.0
कनाडा	5	5	5	833.6	1,210.2	1,163.1	एनए	एनए	एनए	एनए	एनए	एनए
फ्रांस	16	16	16	2,078.0	2,207.8	2,308.6	2	2	2	371.7	86.2	67.3
जर्मनी	13	13	15	4,302.4	6,857.7	7,819.7	1	1	1	621.7	1,481.5	391.1
हांगकांग	47	50	50	25,037.9	25,064.4	12,426.7	15	17	18	3,545.4	4,199.0	5,696.9
जापान	5	5	5	301.8	572.2	791.2	4	4	4	1,160.1	3,617.5	990.9
मॉरीशस	3	3	3	26.6	25.6	35.0	6	8	8	50.1	50.1	51.0
नीदरलैंड	30	31	31	5,761.5	6,877.1	8,425.1	एनए	एनए	एनए	एनए	एनए	एनए
ओमन	2	2	2	2,842.9	1,569.3	11,503.2	4	4	4	99.6	131.2	102.7
रूस	-	1	1	–	0.9	1.1	एनए	एनए	एनए	एनए	एनए	एनए
सिंगापुर	10	10	12	3,113.1	1,784.9	1,976.2	13	15	16	4,359.1	6,009.2	7,605.7
दक्षिण अफ्रीका	2	2	3	36.0	48.1	92.5	1	1	1	0	0	0
श्रीलंका	1	1	1	30.9	204.0	32.1	7	7	7	60.5	59.8	158.2
स्वीजरलैंड	1	1	1	–	0.0	4.2	एनए	एनए	एनए	एनए	एनए	एनए
ताइवान	1	1	1	15.5	37.8	24.1	एनए	एनए	एनए	एनए	एनए	एनए
थाईलैंड	1	1	1	4.8	5.4	5.9	1	1	1	24.6	23.5	24.2
यूएई	4	4	3	102.4	124.3	131.2	7	9	11	1,807.6	2,197.9	5,189.5
यूके	95	101	103	21,150.9	30,575.0	25,515.5	24	25	28	4,947.0	5,684.4	10,520.8
यूएसए	47	49	49	39,622.0	20,211.9	34,176.3	8	8	8	3,808.9	3,468.1	4,350.7
अन्य	–	–	–	–	–	–	29	29	30	1,203.3	1,372.7	3,365.6
कुल	289	302	309	105,475.5	97,751.2	106,697.0	134	144	153	30,121.2	33,032.3	44,015.3

एनए : बैंक/शाखा कार्यरत नहीं है।
– शून्य अथवा नगण्य

अनुबंध
कार्य-प्रणाली

वित्तीय सेवाएं, विशेष रूप से बैंकिंग सेवाएं, वैश्विक, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय आर्थिक समन्वयन को बढ़ावा देने में महत्तवपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। बैंकिंग सेवाओं में जमा स्वीकार करना और उधार देना (बैंकिंग की प्रमुख सेवाएं) और अन्य वित्तीय सेवाएं (पैरा बैंकिंग सेवाएं) जैसे - भुगतान सेवाएं, प्रतिभूतियों की खरीद-बिक्री, वित्तीय प्रबंधन, वित्तीय परामर्श, निपटान और समाशोधन सेवाएं आदि शामिल हैं। वित्तीय बाजार और उनकी गतिविधियों के आर्थिक समन्वयन में सुधार होने से बैंकिंग सेवाओं केअंतरराष्ट्रीय व्यापार में काफी अधिक वृद्धि हुई है।

गेट्स (जीएटीएस) ढांचे में कहा गया है किसी वित्तीय सेवाओं की सुपुर्दगी चार तरीके से हो सकती है अर्थात *तरीका 1*- सीमा पार सेवा, *तरीका 2*- विदेश में उपभोग, *तरीका 3*- वाणिज्यिक उपस्थिति, *तरीका 4*- नैसर्गिक व्यक्तियों का आना-जाना। तरीका 3 में, बैंक की सेवा आयातक देश की भूमि-भाग में वाणिज्यिक उपस्थिति होती है और वहां पर सेवाएं प्रदान की जाती हैं। वाणिज्यिक उपस्थिति प्रतिनिधि कार्यालय, शाखा, सहायक संस्था, एशोसिएट और कॉरेसपांडेंट जैसे विभिन्न निवेश वाहकों के माध्यम से हो सकती है।

शामिल सेवाओं के ब्यौरे इस प्रकार हैं:

- ***जमा खाता प्रबंध सेवाएं*** - इसमें जमा खाता रखने के लिए जमा खाता धारकों पर लगाया गया शुल्क अथवा कमीशन जैसे कि चेक बुक के लिये शुल्क, इंटरनेट बैंकिंग के लिये शुल्क, ड्राफ्ट और अन्य उपलब्ध कराए गए लिखत पर कमीशन, न्यूनतम राशि न रखने के लिये दंड आदि और जमा खाता धारकों से लिया गया अन्य कोई शुल्क शामिल है।
- ***कर्ज़ संबंधी सेवाएं*** - इसमें कर्ज संबंधी अथवा उधार देने संबंधी सेवाओं पर शुल्क जैसे - कर्ज प्रोसेसिंग शुल्क, विलंब भुगतान अथवा चूक प्रभार और समय पूर्व चुकौती प्रभार शामिल है। सुविधा के लिये प्रभार और प्रबंधन शुल्क, ऋण की शर्तों के आपसी व्यवस्था के लिये शुल्क, बंधक शुल्क आदि भी यहां रिपोर्ट किये जाने चाहिए।
- ***वित्तीय पट्टादायी सेवाएं*** - इसमें वित्तीय पट्टादायी संविदाओं का प्रबंधन करने अथवा संविदा करने के लिये शुल्क अथवा कमीशन शामिल है। इसमें सीधे प्राप्त शुल्क अथवा प्राप्य राशि से सीधे काटा गया शुल्क भी शामिल होता है।
- ***व्यापार वित्त संबंधी सेवाएं*** - इसमें व्यापार वित्त की व्यवस्था करने के लिए लिया गया कमीशन या शुल्क जैसे कि क्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं के ऋण, स्टैंडबाई साख पत्र, क्षतिपूर्ति पत्र, ऋण व्यवस्था (लाइन ऑफ क्रेडिट) को स्थापित करने / शुरू करने, बनाए रखने अथवा प्रबंधन करने के लिये शुल्क, फैक्टरिंग सेवाओं, बैंकरों की स्वीकृतियों, वित्तीय गारंटियों को जारी करने के लिये शुल्क, प्रतिबद्धता शुल्क, व्यापार बिल के हैंडलिंग प्रभार आदि को शामिल किया जाता है।
- ***भुगतान और मुद्रा प्रेषण सेवाएं*** - इसमें इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण सेवाएं जैसे स्विफ्ट, तार अंतरण, वायर ट्रांसफर आदि के लिये शुल्क अथवा प्रभार को शामिल किया जाता है। एटीएम नेटवर्क सेवा, वार्षिक क्रेडिट / डेबिट कार्ड शुल्क, इंटरचेंज प्रभार, सेवाओं के स्थान के लिये शुल्क आदि को भी यहां सूचित किया जाता है। बाहर भेजे जाने वाले प्रेषणों अथवा बाहर से प्राप्त प्रेषणों के लिये ग्राहकों से लिये गये प्रभार को भी सूचित किया जाना चाहिए।
- ***निधि प्रबंध सेवाएं*** - इसमें वित्तीय पोर्टफोलियो का प्रबंधन करने अथवा संचालन करने, सामूहिक निवेश प्रबंधन के सभी प्रकारों, पेंशन निधि प्रबंधन, अभिरक्षक, निक्षेपागार और न्यास सेवाओं के लिये प्राप्त शुल्क अथवा आय को शामिल किया जाता है। शेयरों/ इक्विटी की सुरक्षित अभिरक्षा के लिये कमीशन अथवा शुल्क, अभिरक्षक खाते के लिए लेनदेन शुल्क, प्रेषण लागत अथवा अभिरक्षक खाते से संबंधित कोई अन्य शुल्क / प्रभार सूचित किया जाना चाहिए।
- ***वित्तीय परामर्शी और सलाहकारी सेवाएं*** - इसमें ऋण संदर्भ और विश्लेषण,पोर्टफोलियो अनुसंधान और सलाह, विलय और अधिग्रहण तथा कंपनी पुनर्संरचना और रणनीति पर सलाह सहित परामर्शी, मध्यस्थता और अन्य सहायक वित्तीय सेवाओं के लिए शुल्क की सूचना दी जानी चाहिए। शेयर/ इक्विटी के निजी स्थानन के लिये व्यवस्था/ प्रबंधन शुल्क को भी शामिल किया जाना चाहिए।
- ***हामीदारी सेवाएं*** - इसमें हामीदारी शुल्क, नई जारी प्रतिभूतियों के संपूर्ण अथवा काफी अधिक हिस्से की खरीद और पुनः बिक्री से हुए अर्जन को सूचित किया जाना चाहिए।
- ***समाशोधन और निपटान सेवाएं*** - इसमें प्रतिभूति, डेरिवेटिव उत्पाद सहित वित्तीय आस्तियों के लिये निपटान और समाशोधन सेवाओं और अन्य परक्राम्य लिखतों को सूचित किया जाना चाहिए।

अनुबंध
कार्य-प्रणाली *(समाप्त)*

- ***डेरिवेटिव, शेयर, प्रतिभूति और विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं*** - इसमें वित्तीय डेरिवेटिव लेनदेन से प्राप्त कमीशन, मार्जिन शुल्क, स्थानन सेवाओं और चुकौती शुल्क आदि को शामिल किया जाता है। इस मद के अंतर्गत बैंक अपने खातों से और ग्राहक की ओर से विदेशी मुद्रा की खरीद-बिक्री से हुए अर्जन को सूचित किया जाना चाहिए। विदेशी मुद्रा दलाली सेवा के लिए विहित दलाली और शुल्क को भी सूचित किया जाना चाहिए। बैंक द्वारा स्वयं के लिए की गई डेरिवेटिव, शेयर, प्रतिभूति आदि की खरीदी-बिक्री से बैंक को प्राप्त अर्जन को सूचित नहीं किया जाना चाहिए।

बैंकिंग सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधी सांख्यिकी के बारे में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा एक तकनीकी दल का गठन किया गया जिसमें वित्त मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय और रिज़र्व बैंक के विभिन्न विभागों (सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग) से सदस्य लिये गये थे। तकनीकी दल ने रिज़र्व बैंक में उपलब्ध विभिन्न आँकड़ा-स्रोतों का परीक्षण करने के बाद यह सिफारिश की कि वार्षिक सर्वेक्षण के माध्यम से सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के आँकड़ों का संग्रह कार्यकलाप-वार किया जाये और यह सुझाव दिया कि प्रारंभ में भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों से और विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों से बैंकिंग सेवाओं के संबंध में आँकड़े एकत्र किये जायें। समूह ने यह सिफारिश भी की कि बैंकों के परामर्श से एक उपयुक्त प्रश्नावली व्याख्यात्मक टिप्पणियों के साथ तैयार की जाये और यह सुझाव दिया कि वित्तीय वर्ष 2006-07 के लिए वार्षिक सर्वेक्षण जून 2007 तक कर लिया जाये। तदनुसार, एक सर्वेक्षण अनुसूची भारत में कार्यरत प्रमुख विदेशी बैंकों और विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों से विस्तृत चर्चा करने के बाद तैयार किया की गई।